कविता की रचना

"फूल लेकर तितलियों को गोद में,

भौंर को अपना अनूठा रस पिला।

निज सुगंधों औ निराले रंग से,

है सदा देता कली जी की खिला।"

इस पंक्ति में रेखांकित शब्द पर ध्यान दीजिए। क्या आपने इस शब्द को पहले कहीं पढ़ा है? यह शब्द है- 'और'। कविता में 'र' वर्ण नहीं लिखा गया है। कई बार बोलते हुए हम शब्द की अंतिम ध्वनि उच्चरित नहीं करते हैं। कवि भी कविता की लय के अनुसार ऐसा प्रयोग करते हैं। इस कविता में ऐसी अनेक विशेषताएँ छिपी हैं, जैसे 'प्यार में डूबी तितलियों' के स्थान पर 'प्यार-डूबी तितलियों' का प्रयोग किया गया है। हर दूसरी पंक्ति का अंतिम शब्द मिलती-जुलती ध्वनि वाला यानी 'तुकांत' है आदि।

(क) अपने समूह के साथ मिलकर इन विशेषताओं की सूची बनाइए। अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।

(ख) नीचे इस कविता की कुछ विशेषताएँ और वे पंक्तियाँ दी गई हैं जिनमें ये विशेषताएँ झलकती हैं। विशेषताओं का सही पंक्तियों से मिलान कीजिए। आप कविता की पंक्तियों में एक से अधिक विशेषताएँ भी ढूँढ़ सकते हैं।

	कविता की विशेषताएँ		**कविता की पंक्तियाँ**
1.	एक ही वर्ण से शुरू होने वाले दो शब्द एक ही पंक्ति में साथ-साथ आए हैं।	1.	किस तरह कुल की बड़ाई काम दे
2.	मुहावरों का प्रयोग किया गया है।	2.	भौंर को अपना अनूठा रस पिला
3.	प्रश्न पूछा गया है।	3.	फाड़ देता है किसी का वर वसन
4.	प्राकृतिक वस्तुओ, जैसे- पेड़-पौधों में मानवीय कार्यों और भावनाओं का वर्णन किया गया है।	4.	है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर
5.	एक-दूसरे के विपरीत अर्थ वाले शब्दों का प्रयोग किया गया है।	5.	है सदा देता कली जी की खिला
		6.	फूल लेकर तितलियों की गोद में